

FIRST INFORMATION REPORT
(Under Section 154 Cr.P.C.)

(धारा 154 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत)

1. District (ज़िला): CENTRAL P.S.(थाना): ANAND PARBAT Year(वर्ष): 2015 FIR No(प्र.सू.रि.सं.): 0765 Date : 05/11/2015

2. Act(s)(अधिनियम): Section(s)(धारा(एँ)):
- IPC 1860 498A/406/34

3. Occurrence of Offence (अपराध की घटना):

(a) Day(दिन): Date From(दिनांक से): Date To(दिनांक तक):
Time Period (समय अवधि): Time From (समय से): Time To (समय तक):
(b) Information received at P.S.(थाना जहां सूचना प्राप्त हुई): Date(दिनांक): 05/11/2015 Time (समय): 17:30 hrs
(c) General Diary Reference (रोजानामचा संदर्भ): Entry No.(प्रविष्टि सं.): 031A Date/Time(दिनांक/समय): 05/11/2015 17:30

4. Type of Information (सूचना का प्रकार): Written

5. Place of Occurrence (घटनास्थल):

(a) Direction and Distance from P.S (थाना से दूरी और दिशा): EAST , 1.0 Km(s) Beat No(बीट सं.): 3
(b) Address(पता): H. NO. 196/7C, D-4 ,GALI NO. 9 ,FOURTH FLOOR, THAN SINGH NAGAR, ANAND PARBAT ,DELHI
(c) In case, Outside the limit of the Police Station (यदि थाना सीमा के बाहर हैं):
Name of P.S(थाना का नाम): District(ज़िला):

6. Complainant / Informant (शिकायतकर्ता/सूचनाकर्ता):

(a) Name(नाम): NIKHAT PARVEEN (W/O) AKHTAR HUSSAIN
(b) Date/Year of Birth (जन्म तिथि /वर्ष): Nationality (राष्ट्रियता): INDIA
(c) Passport No.(पासपोर्ट सं.): Date of Issue (जारी करने की तिथि): Place of Issue (जारी करने का स्थान):
(d) Occupation (व्यवसाय):
(e) Address(पता): H. NO. 196/7C, D-4, GALI NO. 9, FOURTH FLOOR, THAN SINGH NAGAR, ANAND PARBAT, DELHI, ANAND PARBAT, CENTRAL, DELHI, INDIA,

7. Details of Known/Suspect/Unknown accused with full particulars(attach separate sheet if necessary)(जात/ संदिग्ध /अज्ञात अभियुक्त का का पुरे विवरण सहित वर्णन): (5)

- AKHTAR HUSSAIN

- MAJHAR HUSSAIN

- BANO

- KARAM HUSSAIN

- NISHA

8. Reason for delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

NO DELAY

9. Particulars of the properties stolen/involved (attach separate sheet if necessary):

Sl.No. (क्र.सं.) Property Type(Description)

Est. Value(Rs.)(मूल्य (रु में))

10.Total value of property stolen (चोरी हुई सम्पत्ति का कुल मूल्य):

11.Inquest Report / U.D. Case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी.प्रकरण नं., यदि कोई हो):

12.F.I.R. Contents (attach separate sheet, if required)(प्रथम सूचना रिपोर्ट तथ्य):

Compt. No. 168/15 R/ACP/CAW Cell/C, dt. 01/05/15, W/SI Urmila for enquiry & report Sd. English I/C Caw Cell/C, Received 2 Pages dt. 1/5/15 NODH- 13/5/15 at 02.00 PM. सेवा मे श्रीमान ए. सी. पी. महोदय, महिला अपराध शाखा, थाना- कमला मार्किट नई दिल्ली 7531864394, 9313233982 विषय :- शिकायत खिलाफ पति अख्तर हुसैन, जैठ मजहर हुसैन, जेठानी बानो पत्नी मजहर हुसैन, सास निशा एवं ससुर करम हुसैन सभी निवासीगण मकान न० बी-15, जगदंबा मार्किट के पीछे अमन विहार, दिल्ली द्वारा दहेज माँगने एव दहेज के लिए मारपीट करने, शारीरिक मानसिक रूप से यातनाएँ पहुँचाने एवम घर से बाहर निकालने के बावता महोदय, निवेदन यह है कि मैं निकहत परवीन पत्नी अख्तर हुसैन पुत्री मौ० रफीक हाल पता मकान न० 196/7 सी, डी-4, गली न० 9, चौथी मंजिल थान सिंह नगर आनन्द पर्वत दिल्ली पर अपने माता पिता के साथ रह रही हूँ। महोदय मेरा निकाह मेरे पति अख्तर हुसैन के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार दिनांक 15/4/2012 को बहावल पुर भवन बारात घर, टैंक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली पर बड़े शानो शौकत के अनुसार सम्पन्न हुआ था। इस शादी मे मेरे माता पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज दिया था तथा शादी मे करीब 10 लाख रुपये खर्चा किया था। निकाह के बाद जब मैं अपनी ससुराल बी-15, अमन विहार दिल्ली आयी तो शादी की पहली रात ही मेरे पति ने मुझसे कहा कि तुम्हारे माता पिता ने हमारी हैसियत के अनुसार शादी मे खर्चा नहीं किया है तथा कम दान दहेज दिया है। शादी के दुसरे दिन मेरी सास निशा ने मेरे सभी सोने एवं चाँदी के जेवरात व नकद रुपये जो मुझे स्त्रीधन के रूप मे मिले थे जिन्हे मैं अपने साथ लेकर आई थी यह कहकर मुझसे ले लिये कि लाओ मैं इन्हे संभालकर रख देती हूँ। तबसे लेकर अब तक मेरे द्वारा माँगने पर मुझे वापिस नहीं किये हैं। शादी के बाद से ही उपरोक्त सभी लोग मुझे कम दहेज लाने के लिए ताना मारा करते थे, मेरी जेठानी घर का सारा काम मुझसे ही करवाती थी न करने पर मुझे गंदी गंदी गालियाँ एवं मारा पीटा जाता था, तथा मेरे साथ नौकरानी से बदतर व्यवहार किया जाता था। महोदय मेरी जेठानी और मेरा पति दोनो बंद कमरे मे कई-कई घंटे तक साथ रहते थे जब मैने यह बात अपने सास ससुर एवं अपने जेठ से बताया तो सभी ने मुझे गंदी गंदी गालियाँ दी तथा मुझे लात घूसों से मारा पीटा तथा मेरे जेठ ने कहा कि तू हम भाइयों मे झगडा कराना चाहती है, मैने कई बार अपने माता पिता से रुपये लेकर अपने पति एवं सास ससुर को दिये। उपरोक्त लोगो ने 50,000/- रुपये मुझसे अपने माता पिता से लाने के लिए कहा कि अख्तर हुसैन बर्तनो का कारोबार करना है। मैने अपने माता पिता से 50,000/- लाकर उपरोक्त मुजरिमों को दिये लेकिन इस पर भी उनकी दहेज की लालसा पूरी नहीं हुई, मैं यह सब प्रताडना इसलिए सहती रही कि एक दिन उपरोक्त मुजरिमों का व्यवहार मेरे प्रति अच्छा हो जाएगा लेकिन उनमे कोई सुधार नहीं हुआ है। नवम्बर 2014 मे दिवाली के दो दिन बाद उपरोक्त सभी लोगो ने मुझसे कहा कि हमे बेकरी का कारखाना खोलना है उसके लिए तु अपने माता पिता से 3,00,000/- रुपये (रुपये तीन लाख) लेकर आ जब मैने उनसे कहा कि मेरे माता पिता के पास इतना रुपये नहीं है वह पहले ही आपको काफी रुपये दे चुके है तो इस पर मेरी जेठानी ने मेरे बाल पकड लिये मेरे सास ससुर एवम जेठ ने कहा कि अख्तर हुसैन मार साली को इस पर सभी लोगो ने मार पीट की एवम मुझे गंदी गंदी गालियाँ दी तथा कहा कि इस घर मे रहना है तो 3 लाख रुपये कहीं से भी लेकर आ तथा कहा कि हमने किन कंगलो मे अपने लडके के शादी कर दी है तथा मुझे धक्के मारकर घर से बाहर एक जोड़ी कपडों मे निकाल दिया तथा कहा कि अगर तीन लाख रुपये लेकर आये तो इस घर मे आना वरना इस घर के दरवाजे तेरे लिए सदा के लिए बंद है। महोदय उपरोक्त लोगो ने तबसे लेकर अबतक एक बार भी मेरा हाल जानने के लिए फोन नहीं किया है और ना ही मुझे लेने के लिए कोई मेरे मयाके आया है। महोदय मेरा पति यह भी मुझे धमकी देता है कि तू नहीं जानती कि मैं कितना बडा बदमाश हूँ मेरी जान पहचान एरिया के गुण्डों एवम बदमाशों से है अगर मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ कोई शिकायत पुलिस थाने मे की तो तेरा एवम तेरे परिवार को जीना मुश्किल कर दूंगा और कहीं भी रास्ते चलते मरवा दूंगा। अतः श्रीमान जी से प्रार्थना है कि उपरोक्त बातों पर ध्यान देते हुए उपरोक्त लोगो को तलब

कर उनपर दहेज मांगने, दहेज के लिए प्रताड़ित करने शारीरिक, मानसिक यातनाएँ पहुँचाने, घरेलू हिंसा करने के बावत उचित कानूनी कार्यवाही की जाये तथा मुझे और मेरे परिवार वालों को जान माल की सुरक्षा की जाये। आपकी अति कृपा होगी। Sd. हिन्दी निकहत प्रवीन प्रार्थिनी निकहत प्रवीन पत्नी अख्तर हुसैन पुत्री मौ० रफीक हाल पता मकान न० 196/7, सी, डी-4 गली न० 9, चौथी मंजिल थान सिंह नगर आनन्द पर्वत दिल्ली। M. 9871507941, Mohd. Rafiq (Father), 9643289987, Nikhat Parveen, दिल्ली दिनांक 29/04/2015 प्रतिलिपि :- 1. श्रीमान एस. एच. ओ. साहब थाना- आनन्द पर्वत दिल्ली। 2. राष्ट्रीय महिला आयोग 4. सी. सी. डब्ल्यू बिल्डिंग दीनदयाल उपाध्याय मार्ग नई दिल्ली- 110002। D.O. to register a case u/s 498A/406/34 IPC & Investigation handed over to S.I. Jagrup Sd. English Sahdev Kumar SHO/AP 5/11/15. कार्यवाही पुलिस अज थाना एक तहरीर हिन्दी मर्तबा मरासला SI जगरुप साहब ने मन HC/DO को दर पेश की तहरीर की मौसुलगी पर मन HC/DO ने मुकदमा न० 765/15 U/S 498A/406/34 IPC दर्ज CIPA कम्प्युटर ओपरेटर से कराकर असल तहरीर मय FIR कम्प्युटर कापी SI जगरुप साहब के हवाले की तमाम हालात SHO साहब को बतलाये गया दीगर हालात बजरिये डाक अफसरान बाला की खिदमत मे अरसाल होंगे बकलम HC/DO.

13. Action Taken Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2:

(की गयी कार्यवाही: चूंकि उपरोक्त जानकारी से पता चलता है कि किया गया अपराध मद सं.2 में उल्लेख धारा के तहत है):

(i) Registered the case and took up the investigation:

OR (या)

(प्रकरण दर्ज किया गया और जांच के लिए लिया गया):

(ii) Directed (Name of the I.O.)(जांच अधिकारी का नाम): JAGRUP SINGH

Rank (पद):

SI (SUB-INSPECTOR)

No(सं.): 16090180

to take up the investigation (को जांच आपने पास में लेने के लिए निर्देश दिया गया) OR(या)

(iii) Refused investigation due to (जांच के लिए):

OR (के कारण इंकार किया या)

(iv) Transferred to P.S(name)(थाना):

District(ज़िला):

on point of jurisdiction (को क्षेत्राधिकार के कारण हस्तांतरित)

F.I.R read over to the complainant/informant, admitted to be correctly recorded and a copy given to the complainant/informant, free of cost : (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता को प्राथमिकी पढ़ कर सुनाई गयी, सही दर्ज हुई माना और एक कॉपी निशुल्क शिकायतकर्ता को दी गयी) :

R.O.A.C.(आर.ओ.ए.सी.):

14. Signature / Thumb Impression

of the Complainant / Informant:

(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता के हस्ताक्षर / अंगूठे का निशान):

Signature of Officer

Name(नाम): SHIV CHARAN

Rank (पद): HC (HEAD CONSTABLE)

No.(सं.): 28780336

15. Date and Time of despatch to the court:

(अदालत में प्रेषण की दिनांक और समय):